

pass. वाञ्क्त्त. 1) *begehren, wünschen, lieben, mögen*; mit acc.: विशस्वा सर्वा वाञ्क्त्तु RV. 10, 173, 1. AV. 4, 8, 4. वाञ्क् मे तन्व पौ 6, 9, 1. वत्स वै पशवो वाञ्क्त्तु ÇĀṆKH. Br. 23, 15. क्रिष्णयस्य MBu. 2, 508. सर्वेश्वरत्वम् 3, 1925. 2227. fg. द्यूतम् 3037. 16772. Suçr. 1, 343, 19. 2, 461, 18. ÇĀṆ. 171, v. 1. Spr. 802. 1012, v. 1. 1673. 2322. 2618. 2779. अत एव हि वाञ्क्त्ति मन्त्रिणः सापदे नृपम् 3143. 3333. 3843. 3926. न धनं वाञ्क्त्ति ततः KATHĀS. 12, 85. 13, 114. 18, 264. 20, 97. 23, 283. 32, 29. 192. 33, 11. 41. 37, 174. 39, 230. 40, 48. 49, 229. 57, 128. SĪH. D. 57, 7. RĀGA-TAR. 3, 288. PRAB. 110, 14. BŪG. P. 4, 24, 55. 5, 4, 17. 9, 13, 9. MĀRK. P. 13, 2. 96. 16. Vet. in LA. (III) 19, 10. mit infin. Spr. 1072 (Conj.). 2920. VARĀH. BRH. S. 73, 10. med. MBu. 3, 11086 (S. 372). KĀM. NĪTIS. 11, 20. Spr. 2387. BŪG. P. 4, 18, 10. MĀRK. P. 29, 38. 66, 34. वाञ्छमाना KATHĀS. 33, 11. वाञ्क्त्ति *begehrt, gewünscht, erwünscht* (VOP. 26, 131); n. Wunsch: अर्थाः HARIV. 16238. R. GORR. 2, 78, 22. R. 2, 29 (वाञ्छित gedr.). Spr. 2487. 2847. VARĀH. BRH. S. 68, 92. 87, 2. 89, 12. KATHĀS. 13, 90. 18, 163. 33, 102. 103, 25. HALĀJ. 2, 380. PRAB. 48, 17. WEBER, KRṢṢNĀG. 297. BŪG. P. 1, 9, 29. 4, 14, 22. 8, 20, 10. MĀRK. P. 74, 28. वाञ्क्तामीष्टलाम् 96, 18. HIT. ed. JOHNS. 2833. मम पूर्य वाञ्क्त्तम् KATHĀS. 22, 32. स तस्य वाञ्क्त्तं कुर्यात् Spr. 2496. WEBER, KRṢṢNĀG. 291. BŪG. P. 4, 3, 14. यदि मे वाञ्क्त्तं प्रयच्छसि PĀṆĀT. 231, 22. प्रार्थयस्व हृदयवाञ्क्त्तम् 253, 22. वाञ्क्त्तसिद्धि VIKR. 28. KATHĀS. 19, 4. ०संसिद्धि 30, 56. अनुमतं 33, 149. संप्राप्ताखिलवाञ्क्ता MĀRK. P. 103, 10. अमोघं BŪG. P. 3, 4, 29. — 2) *statuieren, behaupten, annehmen* (vgl. इप्, वप् and velle): हेरित्यहेरित्रविकल्पमेकं वाञ्क्त्ति पूर्वापरवर्णलापात् VARĀH. BRH. 1, 3, 12.

— अभि *begehren, verlangen nach*: लोकाञ्शाद्यतान् MBu. 1, 3675. 2, 2406. R. GORR. 1, 22, 16. 3, 59, 13. Spr. 306 (II). 380 (II). 1174. 1340. 2322, v. 1. 2618, v. 1. VARĀH. BRH. 27 (23), 4. KATHĀS. 22, 41. 23, 297. 30, 14. 33, 188. 38, 70. 42, 19. 90, 44. PRAB. 32, 3. MĀRK. P. 40, 2. 61, 73. 113, 6. PĀṆĀT. ed. ORN. 60, 25. अयं वाञ्छत KATHĀS. 108, 153. अभिवाञ्क्त्ति *begehrt, erwünscht*; n. Wunsch R. GORR. 1, 33, 22. KATHĀS. 31, 76. 71, 10. BŪG. P. 2, 9, 20. MĀRK. P. 20, 26. 29, 3. 96, 6. 7. PĀṆĀT. 1, 1, 34. 2, 3. mit infin. MĀRK. P. 96, 7. ममाभिवाञ्क्त्तं ह्येतत् KATHĀS. 71, 117. ०संसिद्धि 16, 2. ०संप्राप्ति 23, 72. अभिवाञ्क्त्ताति VARĀH. BRH. S. 72, 6. Vgl. अभिवाञ्क्त्त. — caus. अभिवाञ्क्यामि = अभिवाञ्क्यामि MBu. 12, 2907.

— समभि *begehren* —, *verlangen nach* VARĀH. BRH. 27 (23), 7.

— सम् *dass.*: समवाञ्क्त्तयाशिषः BHATT. 17, 53.

— अभिमम् *dass.*: अभि कैर्न सर्वाणि भूतानि संवाञ्क्त्ति KENOP. 31.

वाञ्क्त्ता (von वाञ्क् f. 1) *Verlangen, Wunsch* AK. 1, 1, 3, 27. H. 430. HALĀJ. 4, 25. TATTVAS. 30. वाञ्क्तामपृच्छम् RĀGA-TAR. 3, 268. ०मात्रे ऽपि दर्शिते 4, 233. ततो वाञ्क्ता प्रवर्तते, यतो वाञ्क्ता निवर्तते Spr. 2387. वाञ्क्ता निवर्तते नर्थे: 2772. यदि तेषु तवास्ति वाञ्क्ता 1016. 2773. KATHĀS. 36, 297. यद्यस्ति वाञ्क्ता मच्छिष्यतां प्रति । तत्पुत्र्याः 11, 27. वार्यमाणस्य वाञ्क्ता हि विषयेष्वभिवर्धते 31, 91. ततो ऽस्य पृथ्वीराज्ये च वाञ्क्ता — उदपद्यते 18, 178. राज्यस्य वाञ्क्ता कुरुते MĀRK. P. 37, 39. Vet. in LA. (III) 16, 21. सर्ववाञ्क्ताप्रदात्री सर्वयोषिताम् Verz. d. Oxf. H. 23, b, N. 3. ०सिद्धि RĀGA-TAR. 3, 344. Verz. d. Oxf. H. 99, a, 12. ०विच्छेदन Spr. 2772. स्वं WEBER, RĀMAT. UP. 292. व्ययमानः स्ववाञ्क्या Spr. 787. सुवर्णाञ्ज् KATHĀS. 23, 236. हृदि प्रविष्टया तत्प्रत्यागमवाञ्क्या 18, 230. 21, 59. 29,

116. PĀṆĀT. 93, 4. 193, 16 (०वाञ्छया gedr.). am Ende eines adj. comp. (f. घ्रा) ÇĀṆ. 10, 69. RĀGA-TAR. 2, 103. — 2) *das Statuieren, Annehmen*: उभयवाञ्क्तायाम् SARVADARÇANAS. 41, 13.

वाञ्क्त्ति 1) adj. *erwünscht, n. Wunsch* s. u. वाञ्क्. — 2) m. Bez. eines *best. Tactes*; s. u. प्रतिताल 1).

वाञ्क्त्नी (von वाञ्क् f. ein *begehrliches, ausschweifendes Frauenzimmer* TRIK. 2, 6, 5.

वाट indecl. v. 1. im gaṇa चादि zu P. 1, 4, 57. Opferruf, wohl auf die Wurzel वल् zurückgehend im Sinne von *nimm* oder *bringe*; vgl. 2. वट् वषट् अमे वाट्वाक्ता वाळिति Ait. Br. 3, 22. VS. 2, 18. 20. 18, 38. 38, 6. ÇAT. Br. 1, 8, 25. 9, 2, 20. वाट्वाक् KĀTJ. ÇR. 13, 3, 16.

1. वाट (von वट) adj. *aus der Ficus indica gemacht*: दण्ड M. 2, 45.

2. वाट m. f. (वाटी) und n. AK. 3, 6, 2, 42. 1) m. a) *Einzäunung, ein eingegatter Platz* TRIK. 2, 2, 10. 3, 3, 272. H. 982. an. 2, 98. MED. 1. 27. HALĀJ. 2, 135. अस्ति वाटपरिक्षेपे वर्तते (यामः) । तद्यथा । यामं प्रविष्ट इति PAT. in MAṆU. 321. 409. निवद्धवाटस्य शालेरिव KATHĀS. 34, 203. 62, 213. काण्टकी HARIV. 3393. इनु VARĀH. BRH. S. 19, 6. ऋषि R. 1, 30, 4. 63, 38. 7, 93, 3. 5. KATHĀS. 112, 183. BŪG. P. 10, 11, 15. सनात MBu. 1, 6960. HARIV. 4338. चमू 8084. मञ्च 4328. 4333. एमशान MĀLATIM. 77, 7. कृपेध BŪG. P. 8, 18, 23. वेश DAÇAK. 80, 16. प्राच्य, प्रतीच्य so v. a. Bezirk 133, 13. fg. — b) *Weg* TRIK. 2, 1, 19. 3, 3, 102. H. an. MED. — c) = वास्तु TRIK. 3, 3, 102. — 2) f. ई ein *eingegatter Platz, Garten* H. 1113. H. an. VJUTP. 132. SĪH. D. 117. BŪG. P. 1, 6, 11. Verz. d. Oxf. H. 17, b, No. 63, ÇI. 3. DAÇAK. 108, 12. दृगाल HARIV. 7964. — b) = कुटी MED. = कटी H. an. प्रून्य eine *leere, verlassene Hütte* oder ein *verwilderter Garten* H. an. 2, 96. — c) = वास्तु H. an. MED. — 3) n. = वरण, अङ्ग und अन्नभेद H. an. — Vgl. अन्नवाट, अन्नल, इन्द्रवाटोर्ध्व, काष्ठ, गो. चक्र, पाण्ड्य, यज्ञ, रङ्ग, इनुवाटी, कर्म, गृह, पुष्प.

वाटक 1) m. ein *eingegatter Platz, Garten*: शाक KATHĀS. 20, 142. 161. चण्डाल 112, 63. 80. — 2) f. वाटिका a) *dass.* Verz. d. Oxf. H. 133, b, 37. fg. 40. 44. KĀLAŚAKRA 1, 147. जीर्ण KULL. zu M. 9, 263. वृत्त MĀRĀH. 46, 19. ÇĀṆ. 8, 21. अशोक R. 5, 16, 3. शाक KATHĀS. 72, 206. — b) = कुटी ÇKDr. angeblich nach MED. प्रून्य eine *verlassene Hütte* oder ein *verwilderter Garten* MED. 1. 24. — c) = वास्तु ÇKDr. angeblich nach MED., WILSON nach ÇABDAR. — d) = वाटालक ÇABDAR. im ÇKDr. — Vgl. अन्नवाटिका, इनु, गृह, गृहवृत्त, पुष्प, फल्गु, भूतीर, मुख und अन्नवाटिका.

वाटधान m. pl. N. pr. eines Volkes MBu. 6, 334 (VP. 189). 2405 (वाटधान ed. Calc.). 7, 398. 8, 3650. VARĀH. BRH. S. 14, 26. 16, 22. MĀRK. P. 37, 35. 38, 44. als Brahmanen bezeichnet MBu. 2, 1190. 1749. 1826. m. sg. ein Fürst der Vāt. 1, 2699. 3, 86. n. sg. Bez. des Landes 600. Nach M. 10, 21 stammt der वाटधान von ausgestoßenen Brahmanen.

वाटभीकार s. वाडभीकार.

वाटमूल (von वट + मूल) adj. *an den Wurzeln der Ficus indica aufhaltend* HARIV. 7988; vgl. 7963.

वौटर n. wohl eine Art Honig (von der वटर genannten Biene herkommend) P. 4, 3, 119.

वाटप्रङ्गला f. Hecke, Einfriedigung HĀR. 174.

वौटाकवि m. patron. von वाटकु gaṇa वाङ्कादि zu P. 4, 1, 96.